बरेली, सोमवार
28 जुलाई 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
कुल 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO.- 07 : MIDDLE

'भंवर' में भी 'बाप के पास है हर समस्या का समाधान'

एसआरएमएस रिद्धिमा में किया गया विनायक श्रीवास्तव निर्देशित नाटक भंवर का मंचन

जासं, बरेली : डा. प्रभाकर गुप्ता की ओर से नाट्य रूपांतरित और विनायक श्रीवास्तव निर्देशित नाटक भंवर का मंचन एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को किया गया मध्यम वर्गीय परिवार की चुनौतियों पर केंद्रित नाटक भंवर में ईएमआइ, प्रमोशन की जिद्दोजहद, तनाव और जीवन की निराशा से गुजर रहे व्यक्त की कहानी को बयां किया गया। नाटक भंवर के सार में दर्शकों के मन में यह बात खूब भायी कि 'बाप के पास है हर समस्या का समाधान' होता है।

नाटक भंव में कर्ज और उससे होने वाली परेशानी को दिखाया गया। इसकी कहानी छोटे शहर ने नौकरी करने बड़े आई तान्या के इर्द गिर्द घूमती है, जो कर्ज से परेशान हो फांसी लगाकर जान देने की तैयारी कर रही होती है। उसी समय दरवाजे की घंटी बजती है। वह दरवाजा खोलती है और सामने एक डिलीवरी बाय को देखती है। तान्या अनमने मन से उससे पार्सल लेती है और उसे वापस जाने को कहती है। लड़का प्यास लगने के कारण तान्या से पानी मांगता है। तान्या पानी लेने जाती है तभी लड़के की नजर कमरे में लगे पंखे से लटक रहे फांसी के फंदे पर पड़ती है। डिलीवरी बाय के कहने पर तान्या उसे अपनी कहानी सुनाती है और बाद में वह कहानी बयां करता है कि वह भी परेशान होकर आत्महत्या करने जा रहा था, तो उसके पिता ने उसे किस तरह बचाया। लड़के के प्रेरित करने पर तान्या अपने पापा से बात करती है और बताती है कि लोन से परेशान होकर वह आत्महत्या करने जा रही थी। पापा उसे समझाते हुए एक संवाद बोलते है कि मैं तेरा बाप हूं, मुझसे नहीं कहेगी तो किससे कहेगी, मैं हूं ना। अंत में डिलिवरी बाय तान्या को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति देकर कहता है कि जब भी आप परेशान हों, तो इस ग्रंथ का पाठ करें। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, डा. एमएस बुटोला आदि मौजूद रहे।